सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 77 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 22 अप्रैल, 2026
मूल्य ₹ 3/-

लोग अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं पर अधिकारों को याद रखते हैं।
-इंदिरा गांधी

हैदराबाद ने घर में लगाई जीत की... 7 | तमिलनाडु में पहले फेज का चुनाव... 3 | भाजपा की बदनीयत को कामयाब... 2

तनाव चरम पर, बस ट्रिगर दबने की देर

ईरान-इजरायल आमने-सामने

इजरायली सेना हाई अलर्ट पर, हम लड़ने को तैयार आईडीएफ चीफ

» बेनतीजा बातचीत, उधर चीन ने भी अमेरिका का धमकाया

» रूसी एयरपोर्ट पर इजरायली नागरिकों की गिरफ्तारी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक दूसरे के युद्धपोतों पर हमलों के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व में जंग का मैदान तैयार है और बस बटन दबाने की देर है। आईडीएफ और आईआरजीसी ने स्वंय को हाई एलर्ट मोड पर तैयार रखा हैं। पाकिस्तान के जरिये सुलाह की कोशिशें नाकाम हो गयी और जंग के दरवाजे एक साथ कई मोर्चा पर खुलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ईरान में विद्रोह को अंजाम देने वाली आठ महिलाओं को फांसी पर लटकने में वक्त कम बचा है। वहीं चीन ने अमेरिका की आख में आंख डालते हुए किसी भी कार्रवाई के अंजाम को अमेरिका को भुकतने के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। वहीं रूसी एयरपोर्ट पर इजरायली नागरिकों की गिरफ्तारी का सुलगता मामला भी धधक चुका है। कुल मिलाकर जंग फेज टू का दायदा और वृहद होगा और इसमें कई दूसरे नये मुल्कों की भागीदारी भी हो सकती है।

वैश्विक समीकरणों ने बढ़ाई जटिलता

तनाव केवल क्षेत्रीय स्तर तक सीमित नहीं है। चीन द्वारा अमेरिका को दी गई चेतावनी और रूस में इजरायली नागरिकों की गिरफ्तारी जैसी घटनाओं ने इस संकट को अंतरराष्ट्रीय आयाम दे दिया है। यदि महाशक्तियां खुलकर इसमें शामिल होती हैं तो यह संघर्ष बड़े भू-राजनीतिक टकराव में बदल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, संभावित संघर्ष केवल जमीन तक सीमित नहीं रहेगा। हवाई हमले, ड्रोन स्ट्राइक और समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की कोशिशें इस जंग का हिस्सा बन सकती हैं। मध्य-पूर्व के रणनीतिक जलमार्गों और हवाई क्षेत्रों का महत्व इस स्थिति को और संवेदनशील बना देता है।

इजरायली सेना हाई अलर्ट पर

पश्चिम एशिया संकट का हल फिलहाल नहीं निकला है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 2 हफ्ते के अस्थायी संघर्ष विराम की मियाद को बढ़ा दिया है। आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने अपनी सेना को किसी भी परिस्थिति में तैयार रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि ईरान और लेबनान में नाजुक युद्धविराम के बीच सेना हाई अलर्ट पर है और सभी मोर्चों पर लड़ाई के लिए तैयार है। आज राष्ट्रपति नेतनयाहू के घर पर इजरायली स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किए गए 120 बेहतरीन सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर की आग के बाद से हम लगातार लड़ाई के जरिए अपनी सैन्य ताकत को फिर से बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा में आईडीएफ हमास के खिलाफ लड़ाई में जीती और इस कमांड को बनाए रखा हमने किसी को नहीं बख्शा। सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए जमीर ने आगे कहा कि इस समय हम उत्तरी समुदायों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लेबनान में जोरदार लड़ाई लड़ रहे हैं।

कूटनीति की विफलता ने बढ़ाई चिंता

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। कूटनीतिक स्तर पर गतिरोध गहराता जा रहा है जिससे सैन्य विकल्पों की संभावना बढ़ती दिख रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब संवाद के रास्ते बंद होने लगते हैं तब गलतफहमियां और आक्रामक निर्णय तेजी से बढ़ते हैं। यही स्थिति फिलहाल क्षेत्र में दिखाई दे रही है। इजरायल की ओर से हाई अलर्ट और ईरान की ओर से मिसाइल तैयारी दोनों ही कदम केवल सुरक्षा उपाय नहीं बल्कि रणनीतिक संदेश भी हैं। इजरायल अपनी सैन्य क्षमता और तत्परता के जरिए विरोधियों को यह संकेत देना चाहता है कि वह किसी भी खतरे का सामना करने में सक्षम है। वहीं ईरान अपने बयान और तैयारी के जरिए यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह किसी भी दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। इस तरह के माहौल में डिटरेंस यानी एक दूसरे को डराकर रोकने की रणनीति अवसर उल्टा असर भी डाल सकती है।

ईरानी मिसाइलों का रूख इजरायल पर बस बटन दबाने की देर

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का जवाब

दूसरी ओर, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की स्थापना की वर्षगांठ पर ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ, मेजर जनरल अमीर हातामी ने भी संदेश जारी किया। अपनी सेना के शौर्य पराक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि आठ साल के पवित्र युद्ध और इजरायली-अमेरिकी शासन की ओर से थोपी गई जंग में आईआरजीसी ने सशक्त भूमिका निभाई। इस दौरान संस्था की सेनाओं की क्षमता, बुद्धिमत्ता और जिहादी भावना को प्रदर्शित किया गया। इस भूमिका ने एक बार फिर दुनिया के सामने इस्लामिक गणराज्य ईरान की डिफेंस पावर को सिद्ध कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि आईआरजीसी सशस्त्र बलों के सुप्रीम कमांडर, अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई की कमान में इस्लामी सरजमीं की क्षेत्रीय अखंडता को हर हाल में सुरक्षित रहने की गारंटी देती है।

आर्थिक असर की आशंका

इस टकराव का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका, व्यापार मार्गों में बाधा और निवेशकों की अनिश्चितता-ये सभी संकेत पहले से दिखाई देने लगे हैं। भारत समेत कई देशों की नजरें इस स्थिति पर टिकी हैं क्योंकि ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि हालात गंभीर हैं लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि अभी भी कूटनीति के लिए जगह बची हुई है। कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें पर्दे के पीछे तनाव कम करने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन यदि बयानबाजी और सैन्य गतिविधियां इसी तरह बढ़ती रहीं तो हालात नियंत्रण से बाहर भी हो सकते हैं।

संबंधित खबर 8 पर

भाजपा की बदनीयत को कामयाब न होने दें : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले- सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए 2027 में पीडीए सरकार बनाने जा रहे हैं हम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। महिला आरक्षण और जनगणना को लेकर भी सपा प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी। सपा कार्यालय में उन्होंने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन इसलिए भी है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। जो पीडीए का संघर्ष है उसमें आप सब लोग शामिल होकर हमें और मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम समाजवादी लोग हमेशा महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में रहे हैं। अगर कोई आरक्षण को रोकना चाहता है तो वो भारतीय जनता पार्टी है, उसकी बदनीयत को हम लोग कामयाब नहीं होने देंगे।

अखिलेश ने आगे कहा कि जब जातीय जनगणना की मांग होगी तो हक, अधिकार और आरक्षण की बात होगी इसीलिए भारतीय जनता पार्टी के लोग जनगणना नहीं कराना चाहते। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा हारेगी भी और कभी दोबारा आएगी नहीं। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार होने जा रहा है कि एक समुदाय एक दल को हराने जा रहा है और उस समुदाय का नाम है पीडीए, आने वाला समय में सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए पीडीए सरकार बनाने जा रहे हैं।सपा नेता ने कहा कि ये हक, अधिकार और आरक्षण नहीं देना चाहते इसलिए चुपचाप डिलीमिटेशन कराना चाहते थे महिला आरक्षण के बहाने।

यादव ने प्राथमिक शिक्षा पर बोलते हुए कहा कि जब हमारी पार्टी सत्ता में आएगी, तो माताओं और बच्चों को कोई परेशानी नहीं होगी। शिक्षा सबके लिए महत्वपूर्ण है, और हम प्राथमिक शिक्षा के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे। हम पहले की तरह मुफ्त भोजन, किताबें, साप्ताहिक फल और दूध उपलब्ध कराने की व्यवस्था फिर से शुरू करेंगे। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सांप्रदायिक राजनीति को समुदाय के बल पर हराएंगे। सीएम के पैदल मार्च पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार में रहकर भाजपा विपक्ष में आने की प्रैक्टिस कर रही है। महिला आरक्षण बिल संसद में 23 में ही सभी दलों के सहयोग से पास हो चुका है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानती है कि वह 27 में विपक्ष में जा रही है। उसे इसी तरह की पदयात्रा करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले किसी सरकार ने अपने ही बनाए कानून के लिए इतना संघर्ष नहीं किया होगा, जितना यह सरकार कर रही है।

मेरी दिवंगत मां का अपमान न करें लखनऊ की मेयर

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के बयान पर कहा है कि अपनी राजनीतिक मजबूरीवश मेयर उनकी दिवंगत मां का नाम लेकर एक अन्य महिला का अपमान न करें। नारी के सम्मान में आपसे बस इतना आग्रह है। उन्होंने कहा है कि अगर आपके (खर्कवाल) के घर पर कोई बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे तो उनसे पूछ लीजिए कि उनका ये अति निंदनीय द्वेषपूर्ण बयान उचित है या नहीं। महिला ही जब महिला का अपमान करेगी तो कौन आपको नैतिक रूप से सही कहेगा। यहां बता दें कि परिसीमन बिल को लेकर सुषमा खर्कवाल ने कहा था कि अखिलेश यादव ने अपनी मां का अपमान किया है।

झूठ बोलने में भाजपा हिटलर राज से भी आगे निकली

उन्होंने कहा कि झूठ बोलने में भाजपा हिटलर राज से भी आगे निकल गई है। संसद में पास हो चुके और अधिसूचित महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा के शपथ लिए लोग असत्य बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आरक्षण के साथ हर तरह के संरक्षण की जरूरत है। गाजीपुर में हुई घटना के संबंध में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार के घर जाएगा। सपा पीड़ित परिवार की कानूनी और आर्थिक मदद करेगी।

नोएडा में मजदूरों को परेशान कर रही सरकार

अखिलेश ने कहा कि नोएडा में मजदूरों को परेशान किया जा रहा है। तमाम लोगों के खिलाफ एफआईआर की है। मजदूरों को जेल भेजा जा रहा है। यह सरकार नोएडा में काम कर रहे मजदूरों को अन्य राज्यों के बराबर मजदूरी क्यों नहीं दिला रही है। वहीं, इस सरकार में बिजली विभाग में बड़े पैमाने पर घपलेबाजी चल रही है। घोटाले के लिए बार-बार स्मार्ट मीटर बदले जा रहे हैं।

मुझे पीएम जैसा मित्र नहीं चाहिए

अखिलेश ने एक सवाल के जवाब में कहा, यह तो प्रधानमंत्री ही बता सकते हैं, मैंने उनकी क्या मदद की। परिसीमन बिल पर लोकसभा में चर्चा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सपा अध्यक्ष को अपना मित्र बताया था, इस पर अखिलेश ने कहा कि मैंने उसी समय संसद में कह दिया था कि मुझे ऐसे मित्र नहीं चाहिए। मालूम हो कि लोकसभा में चर्चा के दौरान मोदी ने अखिलेश को अपना मित्र बताया था।

सपा समर्थकों ने नारेबाजी कर सुषमा खर्कवाल के गेट पर लगी नेम प्लेट को चप्पलों से पीटा

अखिलेश यादव की मां पर टिप्पणी करने के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल का विरोध मेयर के आवास पर पहुंचे सपा समर्थकों ने नारेबाजी की सुषमा खर्कवाल के गेट पर लगी नेम प्लेट को चप्पलों से पीटा। मेयर सुषमा खर्कवाल ने अखिलेश यादव की मां पर टिप्पणी की थी जिसके बाद सपा मुख्या अखिलेश यादव ने सुषमा खर्कवाल को ट्वीट कर जवाब दिया था।

अखिलेश 25 अप्रैल को गाजियाबाद में किसानों से करेंगे सीधा संवाद

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पश्चिमी यूपी में पैठ बढ़ाने के लिए 25 अप्रैल को किसानों से सीधा संवाद करेंगे। वह गाजियाबाद में विजन इंडिया के तहत आयोजित 'किसान क्यूं पीड़ित, क्यूं परेशान' विषय पर संवाद करेंगे। अखिलेश यादव इससे पहले 28 मार्च को नोएडा में बड़ी रैली कर चुके हैं। सपा अध्यक्ष देशभर में विजय इंडिया के तहत अलग-अलग विषयों पर संवाद कर रहे हैं। मुंबई व राजस्थान के साथ अलग-अलग राज्यों में इस तरह का वह कार्यक्रम कर चुके हैं। पश्चिमी यूपी में जाट व गुर्जर के साथ अन्य जातियां काफी संख्या में खेती-किसानी से जुड़ी हैं। पश्चिमी यूपी में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ने की वजह से किसानों की जमीनें भी अधिग्राहित हो रही हैं। उचित मुआवजा की मांग को लेकर अक्सर आंदोलन भी होते हैं।

बुलडोजर बुद्धि वाले हैं योगी : महुआ मोइत्रा

टीएमसी सांसद ने नेता जी व विवेकानंद में अंतर न कर पाने पर यूपी के सीएम को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा नेताजी के नारे को गलत तरीके से स्वामी विवेकानंद का बताने पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने उन्हें बुलडोजर बुद्धि कहा, जिसके बाद अखिलेश यादव ने भी नाम बदलने की राजनीति पर तंज कसते हुए इस सियासी बहस में हिस्सा लिया।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल में एक रैली में एक प्रसिद्ध उद्धरण को गलत तरीके से उद्धृत करने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आलोचना करते हुए उन्हें बुलडोजर बुद्धि कहा। मोइत्रा ने अपने पोस्ट में आदित्यनाथ को निशाना बनाते हुए लिखा कि हेलो बुलडोजर बुद्धि योगी आदित्यनाथ, अपने तथ्यों को सही करो। नेताजी सुभाष बोस ने कहा था कि मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। स्वामी विवेकानंद ने ऐसा नहीं कहा था। कृपया उत्तर प्रदेश में जाकर फैंटा पीते रहो और बंगाल को अकेला छोड़ दो। तुम एक मजाक हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक कथन को गलत तरीके से स्वामी विवेकानंद के नाम से उद्धृत करने का वीडियो टीएमसी के आधिकारिक हैंडल द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया गया।

वीडियो में लिखा था कि योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर भाजपा की बंगाल के इतिहास के प्रति घोर अज्ञानता और अवमानना को उजागर किया है। उन्होंने अमर कथन 'मुझे रक्त दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा' स्वामी विवेकानंद के नाम से उद्धृत किया है। जबकि यह कथन नेताजी सुभाष चंद्र बोस का है। ङ्क पर पोस्ट में आगे लिखा गया कि दो बिल्कुल अलग व्यक्तित्व। दो बिल्कुल अलग विरासतें। दोनों बंगाल के सपूत। दोनों को एक ही व्यक्ति ने एक ही वाक्य में अपमानित किया। वे स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस में अंतर नहीं कर पाते। वे गलत उद्धरण देते हैं। वे स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माला चढ़ाते हुए उन्हें नेताजी कहते हैं। और फिर भी इन्हीं लोगों में 'सोनार बंगला' बनाने का दुस्साहस है। उनकी अज्ञानता की गहराई उनके अहंकार के बराबर ही है।

मोइत्रा के समर्थन में सपा प्रमुख

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव भी इस बहस में शामिल हो गए और कहा कि केवल उन्हीं लोगों का नाम बदला जाता है जो अपना नाम बदलते हैं। यादव की टिप्पणी आदित्यनाथ के शासनकाल में स्थानों और संस्थानों के नाम बदलने पर एक तीखा प्रहार प्रतीत होती है।

श्रवण बने जदयू विधायक दल के नेता

» सरकार के हर काम पर रखूंगा पैनी नजर : श्रवण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। श्रवण कुमार को बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल का नेता चुना गया है। विधानसभा द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के माध्यम से इसकी पुष्टि की गई। यह कदम जेडीयू की उस बैठक के एक दिन बाद उठाया गया है, जिसमें पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार को नेतृत्व पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार दिया गया था।

पार्टी के वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार का सामाजिक पृष्ठभूमि और गृह क्षेत्र नीतीश कुमार के समान ही है। बिहार की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा, श्रवण कुमार नालंदा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 25 के चुनावों में लगातार आठवीं बार अपनी सीट जीती। ऐसी व्यापक धारणा थी कि श्रवण कुमार उपमुख्यमंत्री पद की दौड़ में भी थे, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। इसके बजाय, पार्टी ने विजेंद्र यादव और विजय कुमार चौधरी को उपमुख्यमंत्री पदों के लिए चुना। राजनीतिक गलियारों में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि निशांत कुमार द्वारा कोई भी पद स्वीकार न करने के बाद, श्रवण कुमार को इसका लाभ मिल सकता है। हालांकि, अंततः उन्हें इस पद के लिए नहीं चुना गया।

सोमवार को जनता दल यूनाइटेड की बैठक में पार्टी विधायकों ने सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया। नीतीश कुमार ने भी बैठक को संबोधित किया। बाद में पार्टी के एमएलसी और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने बताया कि वरिष्ठ नेता ने आश्वासन दिया है कि संसद सत्र के दौरान दिल्ली में रहने की आवश्यकता को छोड़कर वे अपना अधिकांश समय बिहार में ही बिताएंगे। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों को जारी रखने पर जोर दिया और कहा कि ये प्रयास नई सरकार के तहत भी जारी रहेंगे, जिसमें जनता दल यूनाइटेड एक प्रमुख सहयोगी पार्टी बनी रहेगी। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि वे इन पहलों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए समय-समय पर राज्य का दौरा करेंगे।

सपा राज में सिर्फ चार जिलों में आती थी बिजली : राजभर

» सपा के 300यूनिट बिजली देने पर यूपी के मंत्री का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 27 में सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया है। अब सपा चीफ के इस ऐलान पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने पलटवार किया है।

उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जनता को धोखा देने और गुमराह कर वोट लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा मुखिया प्रदेश की जनता को धोखा देने, गुमराह करने और गुमराह करके

उनका वोटों को हासिल करना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और खुद अखिलेश सरकार में थे तब सिर्फ चार जिले रामपुर, इटावा, मैनपुरी, सैफई में 24 घंटे बिजली आती थी।

उन्होंने कहा कि उस समय प्रदेश में ग्रामीण इलाके में पांच से छह घंटे बिजली आती थी और शहर में 10 घंटे बिजली जाती थी तो वो किस मुंह से 300 यूनिट बिजली देने की बात कह रहे है। पहले वो पढ़ लें कि उन्होंने अपने कार्यकाल में बिजली के संबंध में क्या किया था. उसको नहीं पढ़ पा रहे हैं। राजभर ने कहा कि जब उनकी सरकार रही तो जब ट्रांसफार्मर जलते थे तो गाँव के लोग चंदा इकट्ठा कर पैसे देते थे, तब ट्रांसफ़र लगता था। आज वो स्थिति खत्म हो गई है। आज योगी जी सरकार है। एनडीए की सरकार में 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं। जनता का एक भी पैसा नहीं लगताद्ध आज ग्रामीण इलाकों में 15-16 घंटे बिजली दी जा रही है, 22 घंटा तहसीलों पर है और 24 घंटे शहरों में बिजली आ रही है, ये एनडीए सरकार की उपलब्धि है। ये जो बोल रहे हैं कि वो छलावा है, धोखा है। समाज को गुमराह करके वोट लेने की साजिश है।

तमिलनाडु में पहले फेज का चुनाव सियासत में लगे बड़े-बड़े दावं

चुनावी छापे से कांग्रेस व डीएमके नाराज

- भाजपा के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद हैं : चिदंबरम
- स्टालिन ने भाजपा पर विपक्ष को झूठ में फंसाने का लगाया आरोप
- भाजपा नेता शाह ने राज्य में दौरे किए तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में पहले फेज की वोटिंग के लिए तैयारी पूरी हो चुकी है। सभी सियासी दल अपनी तीर-तरकश को धार दे चुके हैं। डीएमके सरकार दुबारा सत्ता में आने को बेसब्र है। वहीं भाजपा जो राज्य में कमजोर है पर साम-दाम-दंड-भेद किसी न किसी तरह एआईडीएमके के साथ सरकार में आने को आतुर है। उधर कांग्रेस व डीएमके का दावा है भाजपा के लिए यहां कोई स्कोप नहीं है।

इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई को भाजपा का षड्यंत्र बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में हार के डर से भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि कांग्रेस नेता ने इसे गैरकानूनी हिरासत कहा। उधर गृहमंत्री अमितशाह ने अपने दौरों में डीएमके व कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि इसबार डीएमके को जनता सबक सिखाएगी। कांग्रेस नेता पी चिदंबम ने भी भाजपा पर तीखे हमले किए है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु में कांग्रेस-डीएमके पर महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर महिलाओं से विश्वासघात करने का आरोप लगाया और इसे उनके अधिकार छीनने की साजिश बताया। उन्होंने DMK पर वंशवाद और भ्रष्टाचार का प्रहार करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन राज्य में एक बेहतर शासन प्रदान करेगा।

भ्रष्टाचारी डीएमके और कांग्रेस को जनता सबक सिखाएगी : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इरोड में एक रोड शो के दौरान कांग्रेस और DMK पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ वोट देकर देश की महिलाओं के साथ बड़ा विश्वासघात किया है। शाह ने इसे सिर्फ राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि महिलाओं को उनके हक और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखने की एक सोची-समझी साजिश करार दिया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस साजिश को कभी सफल नहीं होने देगी। चुनावी रैली में शाह ने डीएमके पर तीखे हमले किए और उन पर वंशवादी राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहले एम करुणानिधि, फिर एमके स्टालिन और अब उदयनिधि स्टालिन, यह परिवार आधारित राजनीति राज्य के विकास के लिए हानिकारक है। साथ ही, उन्होंने डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए। शाह ने दावा किया कि अगर राज्य में एआईडीएमक-बीजेपी गठबंधन की सरकार बनती है, तो भ्रष्ट शासन का अंत होगा और प्रशासन में सुधार लाया जाएगा।

तमिलनाडु के हितों की रक्षा का वादा

अमित शाह ने परिसीमन और जनगणना के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि कांग्रेस और DMK, 2026 की जनगणना के आधार पर सीटों का पुनर्निर्धारण कर तमिलनाडु की लोकसभा सीटों को कम करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार राज्य के हितों की पूरी रक्षा करेगी और सीटों में कटौती की किसी भी कोशिश को नाकाम करेगी।

'कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित'

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव प्रचार के दौरान उनके घर के बाहर हिंदी भाषी आयकर विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी ने उन्हें राजनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेने से रोका। सेल्वपेरुंथगई ने इस कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और दावा किया कि उनके मित्रों, रिश्तेदारों और डीएमके पदाधिकारी पद्दई मनोगर के आवासों पर भी तलाशी ली गई। उन्होंने इन कार्रवाइयों को अन्यायपूर्ण बताया और इनकी कड़ी निंदा की। सेल्वापेरुंथगई ने भाजपा और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नोत्र कजगम (एआईएडीएमके) पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि पिछली रात से ही, लगभग 10 से 15 हिंदी भाषी अधिकारी, जिन्हें तमिल नहीं आती थी, उनके आवास के बाहर तैनात थे और राहुल गांधी के जाने के बाद भी वहीं बने रहे। उन्होंने इन अधिकारियों की निरंतर उपस्थिति को अत्यंत निंदनीय बताया और कहा कि उनकी मौजूदगी के कारण वे किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके और न ही उसका समन्वय कर सके।

चुनावों में छापे से विपक्ष पर दबाव की साजिश

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने राज्य विधानसभा चुनावों से पहले विपक्ष को दबाने की रणनीति के तहत तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई के आवास पर कार्रवाई की। स्टालिन ने ट्विटर पर पोस्ट करते हुए तमिलनाडु एनसीसी प्रमुख के खिलाफ की गई कार्रवाई को षड्यंत्र करार दिया और भाजपा पर हार के डर से प्रेरित होकर काम करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु अध्यक्ष भाई सेल्वा पेरुंथगई के अभियान को चुप कराने के षड्यंत्र की कड़ी निंदा! यह भूलकर कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, चुनाव प्रचार समाप्त होने में केवल 48 घंटे शेष हैं, भाजपा सरकार, हार के डर से एकजुट होकर, विपक्ष को दबाने के लिए अत्याचार कर रही है। तमिलनाडु की जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। इससे पहले के. सेल्वापेरुंथगई ने आरोप लगाया था कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने उनके आवास पर छापा मारा और तलाशी के बहाने उन्हें श्रीपेरुम्बुदुर विधानसभा क्षेत्र में गैरकानूनी रूप से कैद कर लिया, जिससे उन्हें अपने राजनीतिक कर्तव्यों का पालन करने और जनता से जुड़ने से रोका गया। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन की आरामदायक बहुमत से जीत का दावा किया है, और जोर देकर कहा कि भाजपा के लिए राज्य के दरवाजे पूरी तरह बंद हैं क्योंकि जनता उन्हें कभी स्वीकार नहीं करेगी।

डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पर्याप्त बहुमत से जीत हासिल करेगा : चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने विश्वास व्यक्त किया है कि डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में पर्याप्त बहुमत से जीत हासिल करेगा और जोर देकर कहा है कि राज्य में भाजपा को स्वीकार नहीं किया जाएगा। विशेष संबोधन में चिदंबरम ने कहा कि भाजपा के लिए द्वार पूरी तरह बंद है। तमिलनाडु की जनता भाजपा को कभी स्वीकार नहीं करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तमिलनाडु में कोई साख नहीं है, इसलिए पलानीस्वामी की भी कोई साख नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी, प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह की तमिलनाडु में कोई साख नहीं है। गठबंधन के चुनावी रिकॉर्ड पर विचार करते हुए, उन्होंने पिछली जीतों का जिक्र करते हुए कहा कि तमिलनाडु में डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन पिछले चार चुनावों में, जिनमें मौजूदा चुनाव भी शामिल है, आजमाया हुआ है। हमने 19 के लोकसभा चुनाव जीते, 21 के विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की, 2024 के लोकसभा चुनावों में भी हमने सभी 39 सीटें जीतीं और हमें विश्वास है कि इस राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सहित डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन आसानी से जीत हासिल करेगा। मैं भविष्यवाणी नहीं कर रहा हूं, लेकिन हमारा लक्ष्य 234 में से अधिक से अधिक सीटें जीतना है और हम आराम से बहुमत प्राप्त करेंगे।

महिला आरक्षण संविधान में पहले ही शामिल

महिला आरक्षण विधेयक की हार पर संसद में प्रभावी ढंग से कार्रवाई न करने के आरोप में एआईएडीएमके की आलोचना का जवाब देते हुए चिदंबरम ने इसे झूठा बताया। उन्होंने कहा कि मैं कह सकता हूं कि अज्ञानता के कारण उनका यह बयान गलत है। यह सरासर झूठ है। महिला आरक्षण संविधान में पहले ही शामिल हो चुका है, 106वां संशोधन लोकसभा और राज्यसभा द्वारा सितंबर 2023 में पारित किया गया था। यह संविधान का हिस्सा है। संविधान का सभी क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें कम से कम 106वां संविधान संशोधन विधेयक पढ़ना चाहिए, जिसमें अनुच्छेद 344ए जोड़ा गया था। वे पूरी तरह गलत हैं। लेकिन अगर वे इस बात पर अड़े रहते हैं कि हमने महिला आरक्षण का समर्थन नहीं किया, तो यह सरासर झूठ है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सोच-समझकर रखे जाएं बच्चों के नाम

नाम का बहुत महत्व होता है। भारतीय समाज में नाम केवल पहचान का ही माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत, पारिवारिक परंपरा और भावनात्मक जुड़ाव के लिए होता है। कई बार नामकरण धार्मिक आस्था, जातीय पहचान या स्थानीय परंपराओं के आधार पर किया जाता है। लेकिन कुछ मामलों में जाने-अनजाने में ऐसे नाम भी रख दिए जाते हैं, जिनके अर्थ नकारात्मक होते है या समय के साथ उपहास का कारण तक बन जाते हैं। स्कूली शिक्षा के दौर से ही ऐसे नाम बच्चों के आत्मविश्वास पर असर डाल सकते हैं और उन्हें सामाजिक असहजता का सामना करना पड़ सकता है। हाल ही में राजस्थान में सरकार की ओर से स्कूली बच्चों के सार्थक नाम सुनिश्चित करने की पहल निश्चय ही एक संवेदनशील सामाजिक मुद्दे को छूने वाली है। जिसके तहत स्कूल रिकॉर्ड में उन बच्चों के नाम बदले जा सकेंगे, जिनके नाम का अर्थ अनुपयुक्त, अस्पष्ट या उपहास का कारण बन सकता है। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को भविष्य में शर्मिंदगी से बचाना और उन्हें अपने नाम के अर्थ से जुड़ाव महसूस कराना है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि नाम बदलने से पहले अभिभावकों की सहमति अनिवार्य होगी।

यदि किसी बच्चे को उसके नाम के कारण मानसिक या सामाजिक दबाव झेलना पड़ रहा है, तो उसे बदलने का विकल्प देना निस्संदेह सराहनीय कदम है। इससे बच्चों में आत्मसम्मान की भावना मजबूत हो सकती है और वे अपनी पहचान को लेकर अधिक सहज महसूस कर सकते हैं। यह पहल समाज को भी यह संदेश देती है कि नाम केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि किसी के भी व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, भारत जैसे विविध भाषाओं और संस्कृतियों वाले देश में एक नाम का अर्थ अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न हो सकता है। जो नाम एक समुदाय में सामान्य है, वही दूसरे समुदाय में अजीब या अनुचित लग सकता है। ऐसे में यह तय करना कि कौन-सा नाम उपयुक्त है और कौन-सा नहीं, एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है। इसके लिए जरूरी होगा कि अभिभावकों और बच्चों को नाम का सही अर्थ समझाया जाए। दूसरा अहम पहलू अभिभावकों के अधिकार और भावनाओं से जुड़ा है। संतान का नामकरण माता-पिता के लिए निजी निर्णय होता है। हालांकि सरकार ने सहमति को अनिवार्य बताया है, फिर भी यह जरूरी है कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का दबाव या सामाजिक संकोच न हो। अभिभावकों को पूरी स्वतंत्रता और पर्याप्त जानकारी दी जानी चाहिए।

“ कई बार नामकरण धार्मिक आस्था, जातीय पहचान या स्थानीय परंपराओं के आधार पर किया जाता है। लेकिन कुछ मामलों में जाने-अनजाने में ऐसे नाम भी रख दिए जाते हैं, जिनके अर्थ नकारात्मक होते है या समय के साथ उपहास का कारण तक बन जाते हैं। स्कूली शिक्षा के दौर से ही ऐसे नाम बच्चों के आत्मविश्वास पर असर डाल सकते हैं और उन्हें सामाजिक असहजता का सामना करना पड़ सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राष्ट्रीय लक्ष्यों हेतु नागरिक संबल भी मिले

सुरेश सेठ

राजग सरकार का दावा है कि उसने देश में हमेशा बदलाव की राजनीति की है। भाजपा ने 1994 में राजनीति के हर चरण पर महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था। अब मौजूदा सरकार ने संसद का एक विशेष सत्र बुलाकर राजनीति में महिला आरक्षण लागू करने का प्रयास किया है। सरकार की मंशा थी कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिल जाए। इससे पहले जब राजग सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35-ए का 2019 में उन्मूलन किया था तो कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। कश्मीर से लद्दाख को अलग करके उसके पुन: परिसीमन का प्रयास किया। वैसे देश की कुरीतियों को हटाना भी अगर बदलाव कहें तो जब सरकार ने तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया था तो इसे भी एक बदलाव कहा जा सकता है। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश में बदलाव का अभियान रुकेगा नहीं।

हमारे बदलाव के एजेंडे में अभी भी एक बड़ी बात अधूरी है, एक बड़ा लक्ष्य अभी पूरा करना है, वह यह है कि अलग-अलग धर्मों, जातियों और वर्णों वाले देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाए। इस प्रायद्वीप जैसे बड़े देश में कभी केन्द्र और कभी राज्यों के चुनाव करते समय, शक्ति और पैसा बर्बाद करने की बजाय एक राष्ट्र और एक चुनाव की धारणा को साकार किया जाए। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता लागू करने में धार्मिक कट्टरता या व्यावहारिक कठिनाइयां भी सामने आ रही हैं लेकिन इन्हीं पर आज विशेष चिंतन की जरूरत है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये आज इसकी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंसा और कट्टरता हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं होनी चाहिए। सरकार का मिशन हो सेवा और लक्ष्य हो विकास। असल में लक्ष्य यह है कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनना है तो इसमें एक राष्ट्र एक चुनाव और समान नागरिक संहिता लागू करके कुछ तरक्की की जा सकती है। थोड़ा इन लक्ष्यों पर चिंतन करें, एक राष्ट्र एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करवाने का प्रस्ताव है।

आलोचक कहते हैं कि यह व्यावहारिक नहीं क्योंकि इस देश में हर पांच वर्ष बाद चुनाव नहीं होते। दल बदलकर सत्ता प्राप्त करने की इस राजनीति में सरकारें टूटती हैं, बनती-बिगड़ती हैं। तब मध्यावधि चुनाव भी करवाने पड़ जाते हैं। ऐसी वास्तविकता में एक राष्ट्र, एक चुनाव की संभावना

कैसे फलीभूत होगी? इसका जवाब यह दिया जाता है कि जहां सरकार टूटे, वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया जाए और चुनाव एक ही समय पर करवाए जाएं क्योंकि इससे देश को भारी चुनावी खर्च से मुक्ति मिल जाएगी । यह भी सत्य है कि जब-जब जहां चुनाव घोषणाएं होती हैं, सत्तापक्षी-विपक्षी दल आरोपों की राजनीति करते हुए एक दूसरे से भिड़ जाते हैं। अगर एक देश एक चुनाव हो जाएगा तो यह पांच साल में केवल एक बार होगा। हमारा विचार यह है कि यह प्रस्ताव देश के हित में अवश्य है लेकिन राजनीतिक दलों को अपनी सत्ता मोह की राजनीति की जगह जनकल्याण पक्षीय राजनीति अपनानी पड़ेगी। समान नागरिक संहिता जिसे यूसीसी भी कहते हैं, को लागू करने का विचार बहुत देर से भाजपा के एजेंडे में है। गौर करें कि इस देश में विभिन्न जातियां और विभिन्न धर्म हैं, इसलिए विवाह से लेकर बच्चा गोद लेने तक के अधिकतर कानून एक समान बना दिए जाएं। बेशक हमने अपने संविधान को धर्मनिरपेक्ष घोषित कर रखा है, इसलिए आदर्श स्थिति तो यही है। हमारा देश जाति और धर्म में अस्मिताओं को लेकर बंटा हुआ है। हम कानून के तरीके से समान कानून के साथ एक जाति रहित समाज की कल्पना कर रहे हैं। बेशक हम पाते हैं कि ब्रिटिश काल के कई पुराने कानून खत्म हुए हैं। सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए भी दस फीसदी आरक्षण मिल गया है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो गया है। देश बदला है, इसे और बदलना चाहिए। सपना राजनीतिज्ञ देखते हैं, लक्ष्य नेतृत्व जारी करता है और आम आदमी जागृति प्राप्त करके इसका पालन करते हुए अपने समाज को एक आदर्श समाज बना सकता है। लेकिन व्यवहार में हर आदमी का संकीर्ण हित उसके सामने सर्वोपरि हो जाता है।

वह भूल जाता है कि हजारों लोगों ने डेढ़ सदी तक अंग्रेजों के साथ संघर्ष करके इस देश को आजादी दिलवाई है। अब इसे भौतिकवाद और निजी स्वार्थपरता के अंधेरों में गुम नहीं कर देना चाहिए। समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव मौजूदा स्थिति से उठकर एक आदर्श समाज बनाने का सपना है। इस सपने को साकार करने में अभी तक बहुत कठिनाइयां आ रही हैं लेकिन भाजपा सरकार ने अपने दल की वर्षगांठ पर अपनी प्रतिबद्धता फिर इन सपनों को साकार करने के लिए जताई है। इसका अच्छे होने में तो कोई संदेह नहीं। हां, व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना ही पड़ेगा।

उगते सागर ने बचपन छीन बढ़ाये बाल विवाह

अमरेंद्र किशोर

सुंदरबन इलाके में जब सागर की लहरें धीरे-धीरे दलदली मिट्टी पर आती हैं- नमक और तूफान की तीव्रता से बंधा तट कांपता है, वहां बचपन की मासूमियत भी खतरे में पड़ जाती है। यहां गांवों में, घर की दीवारें धंसती मिट्टी पर टिकी हैं। इस संकट में सबसे अधिक प्रभावित होती हैं लड़कियां, जिनकी उम्र के सबसे खूबसूरत पल यानी खेल, पढ़ाई और बचपन की जिज्ञासाओं से लबालब होते हैं। वे सब जलवायु आपदाओं, गरीबी और सामाजिक असमानताओं के दबाव में जल्दी ही विवाह की आग में झोंक दी जाती हैं। गोसाबा द्वीप की गलियों में एक 14 वर्षीय लड़की, अजूं बागदीस, सुबह के अंधेरे में अपने छोटे-छोटे पैरों से खारे पानी में छलकते पानी को चीरते हुए भागती है, अपने साथ केवल कुछ कपड़ों का बंडल लिए हुए। सूरज की पहली किरणों से पहले ही वह अपनी जीवन यात्रा में उस मोड़ पर पहुंच चुकी होगी, जहां उसके बचपन को हमेशा के लिए त्याग दिया जाएगा।

विवाह की रस्में साधारण होती हैं-कोई भव्य दावत नहीं, बस कुछ रिश्तेदार, उधार ली गई साड़ी और एक जीवन जिसे आजाद महसूस करने का मौका कभी नहीं मिलेगा। यह जलवायु संकट की अदृश्य कीमत है, जिसे समाज और व्यवस्था ने लड़कियों की मासूमियत के रूप में वसूल लिया। हालिया सर्वेक्षण इस संकट की गंभीरता को उजागर करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में पाया गया कि पश्चिम बंगाल में 20-24 वर्ष की उम्र की लगभग 42 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की उम्र से पहले ही विवाहिता हो चुकी थीं, जो राष्ट्रीय औसत 23.3 प्रतिशत का लगभग दोगुना है। सुंदरबन के द्वीपों में, गोसाबा ब्लॉक खासकर बाल विवाह के लिए चिन्हित है, जहां किशोरियों को घर का बोझ घटाने को विवाह करने को मजबूर किया जाता है। यहां के ग्रामीण रात में किए जाने वाले विवाहों की कहानियां फुसफुसाते हैं, जो अक्सर बिना पंजीकरण, अधिकारी की नजर से दूर, अनदेखी रह जाती हैं। यूनिसेफ के अनुमान के अनुसार, भारत के बाल विवाहों में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 13-15 प्रतिशत है, और इस डेल्टा के द्वीप-गोसाबा से लेकर बसंती, काकद्वीप और नामखाना तक- हर साल सैकड़ों किशोरियों को विवाह के बंधन में बांधते हैं। सरकारी हस्तक्षेप मौजूद हैं, लेकिन वे सतह तक ही सीमित हैं।

साल 2023 में अधिकारियों ने दावा किया कि 1,500 बाल विवाहों को रोका गया और लगभग 900 एफआईआर दर्ज की गईं, लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश विवाह अब भी रिकॉर्ड में नहीं आते। इस क्षेत्र में बाल विवाह भूख, कर्ज व अनिश्चितता से निपटने की कठोर रणनीति है। जलवायु परिवर्तन इस चक्र को और तेज करता है। पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्ययन से पता चलता है कि पिछले दशक में 55 प्रतिशत से अधिक घरों ने अंडरएज विवाहों में वृद्धि दर्ज की है। टेरेस डेस होमस के सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि पथर प्रतिमा और गोसाबा के 90 प्रतिशत लोग पिछले दस वर्षों में सीधे जलवायु आपदाओं का सामना कर चुके हैं, जिससे फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुई है।

प्रवास से जोखिम और बढ़ जाता है। केवल 17 प्रतिशत प्रवासी परिवार अपने साथ पति-पत्नी को ले जाते हैं और सिर्फ 7 प्रतिशत बच्चे को ले जाते हैं, जिससे नाबालिगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाएं विवाह, जबरन श्रम, मानव तस्करी और विवाह प्रवासन से जुड़ी बढ़ती घटनाओं का सामना कर रही हैं। मैदान के आंकड़े भले ही अधूरे हों, लेकिन परिणाम स्पष्ट हैं। लड़के परिवार की मदद करने के लिए स्कूल छोड़ देते हैं; लड़कियां घरेलू श्रम, जल्दी गर्भधारण, स्वास्थ्य जोखिम और सीमित गतिशीलता के चक्र में फंस जाती हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक, 73.3 प्रतिशत विवाहित लड़कियां अन्य जिलों में पलायन करती हैं, अक्सर अजनबी समुदायों में, बिना यह सुनिश्चित किए कि उनके पति की मंशा या पृष्ठभूमि सुरक्षित भी है। गरीबी और सामाजिक हाशिए पर रहने वाले समुदाय इस संकट को और गहरा कर देते हैं। अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों के घरों में 44 प्रतिशत बाल विवाह की दर दिखती है। केनिंग के चिन्मय रे कहते हैं,'कन्याश्री जैसी योजनाएं इन द्वीपों तक नहीं पहुंच पातीं।

'प्रशासनिक बाधाएं, कड़ा दस्तावेजीकरण, और राजनीतिक उपेक्षा हाशिए पर रहने वाले परिवारों को लाभ नहीं दिलातीं। प्रवर्तन की कमी बच्चों को असुरक्षित छोड़ देती है और पीड़ितों को मदद नहीं मिलती।' टेरेस डेस होमस के सर्वेक्षण के अनुसार सुंदरबन की दो-तिहाई बालिकाएं अपनी शादी को पिछले आपदाओं से जोड़ती हैं। कोविड-19 लॉकडाउन ने इन समस्याओं को और बढ़ा दिया। स्कूल बंद होने से सुरक्षा की जगहें छिन गईं और बच्चे घरों में सीमित हो गए, जहां गरीबी, कर्ज और निराशा जीवित रहने की दिशा तय करती हैं। पठानखली गांव की 14 वर्षीय कल्याणी गेयन ने स्कूल छोड़ दिया, अपनी किताबें फटे कपड़े में बांधकर, क्योंकि उसकी मां फसल की विफलता के कर्ज चुकाने में संघर्ष कर रही थी। मधुपुर ढेला की 16 वर्षीय प्रिया जाना ने 2024 के तूफान में अपना घर खो दिया। खारे पानी ने खेतों को बर्बाद कर दिया। विकल्पों की कमी के कारण उसके माता-पिता ने उसके विवाह का निर्णय लिया। स्कूल तटबंधों के साथ-साथ टूटते हैं। मौसुनी कोऑपरेटिव स्कूल, द्वीप का एकमात्र माध्यमिक विद्यालय, चिंता बढ़ाने वाली ड्रॉपआउट दर का गवाह है। प्रधानाध्यापक बिनय शि बताते हैं कि पिछले दो वर्षों में 14-18 वर्ष के लगभग 15-20 प्रतिशत छात्र स्कूल छोड़ चुके हैं।

काठमांडू

भव्य मंदिरों के लिए जाना जाता है

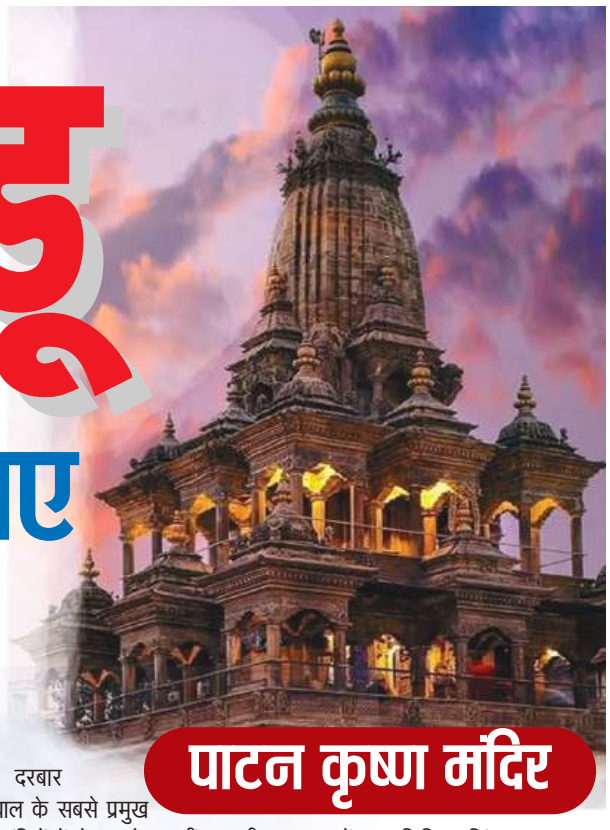

नेपाल की राजधानी काठमांडू एक ऐसा विदेशी पर्यटन स्थल है जहां अन्य विदेशी शहरों की तुलना में काफी कम पैसे आसानी से घूमकर वापस आया जा सकता है। अगर आप कम बजट में विदेश यात्रा का सपना करना चाहते हैं, तो नेपाल की राजधानी काठमांडू आपके लिए सबसे मुफीद जगह है। हिमालय की गोद में बसा यह शहर अपनी प्राचीन संस्कृति, भव्य मंदिरों और हिमालय के नजारों के लिए जाना जाता है। भारतीय नागरिकों के लिए सबसे बड़ी राहत यह है कि यहां जाने के लिए न तो वीजा की जरूरत है और न ही पासपोर्ट की। आप अपने आधार कार्ड या वोटर आईडी की मदद से आसानी से यहां प्रवेश कर सकते हैं। काठमांडू बजट ट्रैवलर्स के लिए एशिया का सबसे अच्छा डेस्टिनेशन बनकर उभरा रहा है। यहां की मुद्रा (नेपाली रुपया) भारतीय रुपये के मुकाबले सस्ती है, जिससे आपका खर्च काफी कम हो जाता है। आप दिल्ली या गोरखपुर के रास्ते बस या ट्रेन से बेहद कम खर्च में काठमांडू पहुंच सकते हैं। यहां की हर गली में आपको इतिहास और आधुनिकता का संगम देखने को मिलेगा, जो आपकी यात्रा को यादगार बना देगा।

पशुपतिनाथ मंदिर

भगवान शिव का यह पवित्र मंदिर आध्यात्मिक शांति के लिए विश्व प्रसिद्ध है। नेपाल की राजधानी काठमांडू के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि बेहद धूमधाम से मनाई जाती है। यहां हर साल मेला लगता है जिसमें दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु बाबा पशुपतिनाथ के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। भारत के बहुत सारे साधु शिवरात्रि मनाने के लिए काठमांडू जाते हैं। चंद्र कैलेंडर के मुताबिक फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष में चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। पशुपतिनाथ मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल भी है।

पाटन कृष्ण मंदिर

यह ललितपुर के पाटन दरबार स्क्वायर में स्थित है, नेपाल के सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक हिंदू मंदिरों में से एक है। 17वीं शताब्दी (1667) में राजा सिद्धि नरसिंह मल्ला द्वारा निर्मित, यह मंदिर पत्थर की नक्काशी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह मंदिर भारतीय शिखर शैली (ग्रंथकूट) में बना है, जो नेपाल के सामान्य पैगोडा शैली के मंदिरों से भिन्न है। तीन मंजिला इस मंदिर में 21 स्वर्ण शिखर हैं। मंदिर में भगवान कृष्ण के साथ राधा और रुक्मिणी की प्रतिमाएं हैं, जबकि अन्य मंजिलें शिव और लोकेश्वर को समर्पित हैं। राजा को सपने में भगवान कृष्ण और राधा के दर्शन के बाद इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। कृष्णाष्टमी (जन्माष्टमी) के दौरान यहां हजारों भक्तों की भीड़ लगती है। यह मंदिर युनेस्को विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है।

स्वयंभूनाथ मंदिर

यहां से पूरे काठमांडू शहर का अद्भुत नजारा दिखता है, जो फोटोग्राफी के लिए बेस्ट है। स्वायंभुनाथ बौधनाथ मंदिर काठमांडू के पश्चिम में एक पहाड़ी की चोटी पर करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो काठमांडू घाटी का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मंदिर है। स्वयंभू स्तूप, भगवान की आंखों से चित्रित इस मंदिर परिसर का सबसे मुख्य आकर्षण है। इस मंदिर के कुछ हिस्सों में बंदरों के निवास की वजह से इस मंदिर को मंकी टेम्पल के रूप में भी जाना- जाता है।

हंसना मना है

फादर- अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर- क्या परिणाम आया तुम्मारा, सन- दिमाग का दही मत कर बाबूलाल, तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पर लिखा था, कृपया शोर ना करे। किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आपका और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है- रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड़ मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला- आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबैंड को 2 थप्पड मारे और बोली- आप क्या समझते हैं मैं आपसे प्यार नही करती।

कहानी — शेर और सियार

सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

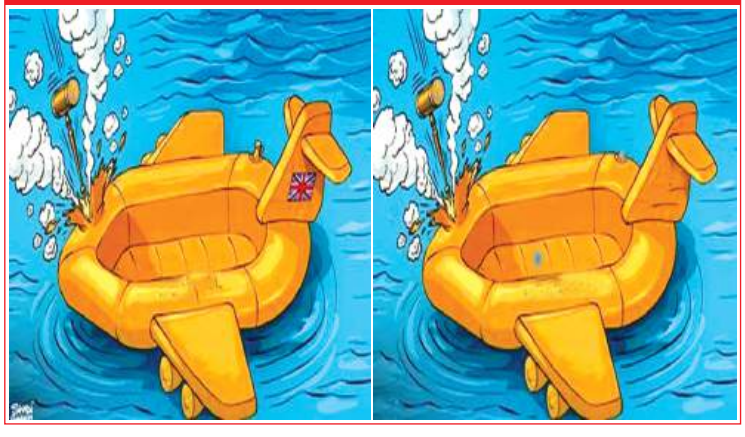

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें।

वृषभ — शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन — व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या — व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा।

तुला — व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी।

मकर — धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मीन — किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। चिंता रहेगी।

हालीवुड | मन की बात

समय के साथ मैंने न कहना सीख लिया : सान्या मल्होत्रा

सान्या मल्होत्रा हाल ही में फिल्म 'टोस्टर' में नजर आई हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। हाल ही में सान्या ने इंडस्ट्री में अपने दस साल भी पूरे किए हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने अब ना कहना भी सीख लिया है। सान्या मल्होत्रा ने समय के साथ खुद में आए बदलाव और इम्प्रूवमेंट को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि समय के साथ मैंने ना कहना सीख लिया। अब तो मैं आसानी से ना कह देती हूं। लेकिन इसमें मुझे थोड़ा समय लगा। ना बोलने से पहले मुझे पैनिक अटैक आ जाता था। मैं सोचती थी कि ना कैसे कहूं? मुझे डर लगता था कि अगर मैंने ना कह दिया तो शायद मुझे आगे काम न मिले। अगर किसी तरह कह भी दिया तो महीनों तक मुझे इस बात का पछतावा होता रहता था। मुझे न सिर्फ और मौके नहीं मिलते थे, बल्कि मुझे ये डर लगता था कि कहीं उन्हें बुरा न लग जाए। सान्या ने कहा कि अब मैंन दृढ़ रहने का भी निश्चय किया है। उन्होंने कहा कि आपको यह समझना होगा कि फिल्म निर्देशक का माध्यम है। लेकिन आप एक अभिनेता के रूप में निश्चित रूप से अपने सुझाव दे सकते हैं। कभी-कभी वे आपकी बात सुनते हैं और कभी-कभी नहीं। लेकिन मैंने यह बात बहुत मुश्किल से सीखी है कि अगर मैं ना नहीं कहूंगी, तो इसका मतलब होगा कि मैं सिर्फ उनके सपने जी रही हूं और उनके तरीके से काम कर रही हूं, न कि अपनी जिंदगी जी रही हूं। मेरा मानना है कि अपनी बात कहने का एक तरीका होता है। अगर आप इसे सही तरीके से करते हैं, तो कोई समस्या नहीं है। अगर बात किसी स्टंट की है, तो आपको वाकई में कड़ा रुख अपनाना होगा। आप इन चीजों को हल्के में नहीं ले सकते।

बिक गया शाहरुख की फिल्म 'किंग' के थियेटर का राइट्स

शाहरुख खान के फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। उनकी नई एक्शन फिल्म किंग की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। जानिए रिलीज से पहले किंग के थिएटर राइट्स कितने में खरीदे गए हैं और किसने खरीदे हैं?

सियासत की एक खबर के अनुसार, पेन मरुधर कंपनी ने पूरे भारत में फिल्म किंग के थिएटर रिलीज अधिकार खरीद लिए हैं। इस कंपनी ने किंग मूवी के थिएटर राइट्स पूरे 250 करोड़ रुपये में खरीद लिए हैं। यह इस साल की सबसे बड़ी थिएटर डील में से एक है। फिल्म के घरेलू टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए भी कई बड़ी कंपनियां बोली लगा रही थीं, जैसे जियो स्टूडियोज, यश राज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस।

बॉलीवुड | मसाला

पेन मरुधर ने पहले भी शाहरुख खान की कई फिल्में रिलीज की हैं, जैसे जवान, डंकी, जीरो और कई सारी फिल्में। फिल्म किंग लगभग 400 करोड़ रुपये के बजट में बन रही है। इसमें शाहरुख और दीपिका पादुकोण फिर से साथ नजर आएंगे। सुहाना खान की भी फिल्म में अहम भूमिका है। इस फिल्म से पहले दीपिका और शाहरुख फिल्म पठान में नजर आए थे। इसके अलावा भी शाहरुख और दीपिका कई फिल्मों में साथ नजर आ चुके हैं।

शाहरुख खान की फिल्म किंग क्रिसमस 2026 में रिलीज होगी, यानी 24 दिसंबर 2026 को। इस समय हॉलीवुड की बड़ी फिल्में भी रिलीज हो रही हैं, जैसे एवेंजर्स डूम्सडे, ड्यून 3 और जुमांजी 3। एक साथ इतनी फिल्में रिलीज हो रही है, जिसका पूरा असर इन फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर दिखाई देगा।

शाहरुख खान अपनी नई फिल्म किंग के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

मोहित सूरी की मूवी सतरंगा में फिर से रामोंस करते नजर आएंगे अहान पांडे और अनीत पड्डा

सैयारा फिल्म की बड़ी सफलता के बाद, अहान पांडे और अनीत पड्डा एक बार फिर यश राज फिल्म्स के लिए काम कर रहे हैं। वे निर्देशक मोहित सूरी के साथ नई रोमांटिक ड्रामा फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा पिछले हफ्ते हुई थी।

वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, फिल्म का अस्थायी नाम 'सतरंगा' रखा गया है। यह नाम अभी पक्का नहीं है, क्योंकि यह टी-सीरीज के पास पहले से रजिस्टर्ड है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह नाम फिल्म की कहानी से अच्छी तरह मेल खाता है। यह फिल्म भी सैयारा की तरह ही एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म हो सकती है। 'सैयारा' में अहान और अनीत को जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस नई फिल्म में अहान और अनीत रोमांस के और गहरे और अलग तरह के पहलुओं को दिखाएंगे। मोहित सूरी अभी स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है और इसे 2027 के अंत तक रिलीज करने का प्लान है।

मोहित सूरी ने इस प्रोजेक्ट पर खुशी जताते हुए कहा, मेरे लिए प्रेम कहानियां हमेशा सबसे महत्वपूर्ण रही हैं। जब भावनाएं बहुत गहरी और बेकाबू हो जाती हैं, तब प्यार को सचमुच महसूस किया जा सकता है। सैयारा को लेकर मोहित ने कहा, सैयारा फिल्म में भी यही बात बेबाकी से दिखाई गई है। 'सैयारा' की टीम के साथ वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। लगता है यह किस्मत में लिखा था। आगामी फिल्म को लेकर मोहित ने कहा, इस बार मैं खुद को एक नए कलाकार की तरह महसूस कर रहा हूं। कहानी को लेकर बहुत उत्साहित और थोड़ा घबराया हुआ भी। उम्मीद है कि इस फिल्म का संगीत भी लोगों के दिल को छू सकेगा।

अजब-गजब | यहां जन्म से लेकर मौत तक है सिर्फ नाव ही सहारा

पानी पर बसी है इनकी अलग ही दुनिया

क्या आपने कभी ऐसे लोगों के बारे में सुना है जिनकी जिंदगी का धरती से लगभग कोई रिश्ता नहीं होता? न पक्के घर, न तय सीमाएं और न ही किसी एक देश की नागरिकता। हम बात कर रहे हैं 'बजाऊ' समुदाय की, जिन्हें दुनिया के आखिरी असली समुद्री खानाबदोश में गिना जाता है। इनकी पूरी जिंदगी समंदर के इर्द-गिर्द घूमती है। जन्म से लेकर जीवन का हर पड़ाव पानी पर ही गुजरता है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग बिना किसी ऑक्सीजन सिलेंडर या आधुनिक डाइविंग उपकरण के समुद्र की गहराइयों में बड़ी सहजता से तैरते नजर आते हैं।

यह कोई आम लोग नहीं, बल्कि बजाऊ जनजाति के सदस्य हैं, जो इंडोनेशिया और मलेशिया के बीच फैले समुद्री इलाकों में रहते हैं। इनके घर लकड़ी से बने होते हैं, जो पानी के ऊपर खंभों पर टिके होते हैं, या फिर ये लोग नावों पर ही अपना पूरा जीवन बिता देते हैं। इस समुदाय की सबसे अनोखी बात यह है कि इनका किसी एक देश से स्थायी जुड़ाव नहीं होता है। कई बजाऊ परिवार पीढ़ियों से समुद्र में ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बच्चों का जन्म भी अक्सर नावों पर ही होता है और बचपन से ही उन्हें समुद्र में रहने और जीविका चलाने के तरीके सिखा दिए जाते हैं। मछली पकड़ना और गोताखोरी इनके जीवन का अहम हिस्सा है।

बजाऊ लोगों की शारीरिक क्षमताएं भी बेहद खास मानी जाती हैं। ये लोग बिना किसी ऑक्सीजन सपोर्ट के करीब 30 मीटर (लगभग 100 फीट) या उससे ज्यादा गहराई तक गोता लगा सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि पीढ़ियों से पानी में रहने के कारण इनके शरीर में कुछ प्राकृतिक बदलाव हो गए हैं। उनकी आंखें पानी के भीतर भी साफ देख सकती हैं, जबकि आम इंसानों को वहां धुंधला नजर आता है।

एक और हैरान करने वाली बात यह है कि गहरे पानी के दबाव से बचने के लिए कई बजाऊ लोग बचपन में ही अपने कान के पर्दे जानबूझकर खराब कर लेते हैं। यह सुनने में जितना खतरनाक लगता है, उतना ही दर्दनाक भी है, लेकिन इससे उन्हें गहराई में गोता लगाने में आसानी होती है। हालांकि, इसका असर यह होता है कि उम्र बढ़ने के साथ उनकी सुनने की क्षमता काफी कम हो जाती है।

यहां है दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर, कैसे पहुंचती हैं यहां चिट्ठियां? बहुत कम लोगों को होगी जानकारी

स्मार्टफोन और इंटरनेट के इस दौर में हमेशा हमारे दिमाग में एक सवाल आता है कि अब चिट्ठियां कौन भेजता है? लेकिन सच ये है कि आज भी हमारे देश के कई दूर-दराज इलाकों में चिट्ठियां ही अपनों का हालचाल जानने का सबसे भरोसेमंद जरिया हैं। पहाड़ों और गांवों में जहां नेटवर्क अभी भी ठीक से नहीं आता है, वहां कागज पर लिखे शब्द ही रिश्तों को जोड़कर रखते हैं। यही वजह है कि चिट्ठियों की अहमियत आज भी खत्म नहीं हुई है। क्या आप जानते हैं कि दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर भी भारत में ही मौजूद है? जी हां, हिमालय की ऊंचाइयों में बसा ये खास डाकघर आज भी अपनो को जोड़ कर रखा है । आइए, आपको इस अनोखे डाकघर के बारे के बारे में विस्तार से बताते हैं। दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर हिमाचल प्रदेश के स्पीति में हिक्किम नाम के गांव में स्थित है। समुद्र तल से 14567 फीट यानी 4440 मीटर की ऊंचाई पर जहां सांस लेने के लिए भी मेहनत करनी पड़ती है, वहां यह डाकघर 1983 से कठोर मौसम और मुश्किल रास्तों के बावजूद आसपास के दूर-दराज गांवों तक चिट्ठियां पहुंचा रहा है। बर्फीली हवाओं और कम ऑक्सीजन के बीच भी यहां से निकलने वाली हर चिट्ठी लोगों के दिलों को जोड़ने का काम करती है। हिक्किम और उसके आसपास के गांवों में संचार का मुख्य साधन आज भी चिट्ठियां ही हैं। इस उप डाकघर की जिम्मेदारी सिर्फ हिक्किम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आसपास के लांगचा-1, लांगचा-2 और कॉमिक जैसे गांवों तक भी चिट्ठियां पहुंचाता है। स्पीति घाटी के रास्ते साल में केवल कुछ महीनों के लिए ही खुले रहते हैं। बर्फ पिघलने के बाद जून से अक्टूबर के बीच ही यहां आना-जाना संभव होता है। बाकी समय पूरा इलाका बर्फ से ढका रहता है, जिससे संपर्क लगभग कट जाता है। हिक्किम पोस्ट ऑफिस दुनिया का सबसे ऊंचा ऑपरेशनल पोस्ट ऑफिस होने के कारण खास है। यहां आने वाले पर्यटक हमेशा अपने दोस्तों और परिवार को पोस्टकार्ड भेजते हैं। इस पोस्ट ऑफिस की खास मोहर (स्टैम्प) भी एक यादगार बन जाती है। आप चाहें तो दुनिया के इस सबसे ऊंचे डाकघर से खुद को भी चिट्ठी भेज सकते हैं। हिक्किम, स्पीति के प्रमुख शहर काजा से करीब एक घंटे की दूरी पर स्थित है। हालांकि यहां भारी बर्फबारी के कारण कई चीजें समय पर नहीं मिल पातीं, इसलिए लोग पोस्टकार्ड काजा से ही खरीद लेते हैं। सर्दियों में भारी बर्फबारी के चलते यहां के रास्ते बंद हो जाते हैं, जिससे इलाके का संपर्क टूट जाता है। लेकिन जैसे ही रास्ते खुलते हैं, डाक सेवा फिर से शुरू हो जाती है। कई बार डाक कर्मचारियों को पैदल या सीमित साधनों के सहारे लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

पहले चरण के मतदान से पहले टीएमसी व भाजपा में वार-पलटवार

» ममता के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के तहत सब शांति से रहते हैं : अभिषेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। गुरुवार को बंगाल में पहले चरण की वोटिंग है। टीमएसी व भाजपा ने आखिरी दिन चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। उधर दोनों पार्टियों ने एकदूसरे पर कड़े प्रहार भी किए। सीएम ममता बनर्जी व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को आड़े हाथों लिया। अभिषेक ने कहा कि करीब 15 साल पहले बलरामपुर पुलिस स्टेशन सुबह दस बजे भी बंद रहता था, जबकि आज बलरामपुर के निवासी और पर्यटक टीएमसी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के तहत शांति से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस इलाके में काफी विकास हुआ है। पहले, पुरुलिया शहर से फायर टेंडर को आने में दो घंटे तक लग जाते थे, लेकिन अब बलरामपुर का अपना फायर स्टेशन है।

मोदी पश्चिम बंगाल सरकार का सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर

इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी भी काफी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि लेफ्ट फ्रंट के शासनकाल के दौरान इस इलाके में माओवादियों का दबदबा था, लेकिन अब यहां पूरी तरह से शांति बहाल हो गई है। पिछली राजनीतिक घटनाओं का जिक्र करते हुए बनर्जी ने बताया कि 18 के ग्राम पंचायत चुनावों के दौरान बीजेपी के दो नेताओं की मौत असामान्य परिस्थितियों में हुई थी। 19 और 21 में बीजेपी ने यह सीट जीती और उनके अनुसार, त्रिलोचन महतो और दुलाल कुमार की मौत को लेकर गंदी राजनीति की। अभिषेक ने मोदी को बंगाल की मौजूदा सरकार का 'सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री का झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना इस बात का सबूत है कि टीएमसी ने इस क्षेत्र को माओवादी हिंसा से बचाया है। उन्होंने भाजपा पर जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज करते हुए टीएमसी सरकार पर निराधार राजनीतिक हमले करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, जो लोग बंगाल की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हैं और राज्य को गुजरात, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश में बदलने का वादा करते हैं, उन्हें याद करना चाहिए कि 11 से पहले यहां जीवन कैसा था। टीएमसी ने 11 में बंगाल में वाम मोर्चा को सत्ता से बेदखल कर दिया था।

तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी : ममता

ममता बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी और कोई नहीं चाहता कि भाजपा सरकार बनाए। बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आएं। उन्होंने कहा, भाजपा इस बार बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वह पिछले एक महीने से बंगाल का गहन दौरा कर रही हैं और इस अवधि में ''मैं समझ गई कि जनता क्या चाहती है, यह साफ है कि कोई भी भाजपा को नहीं चाहता।'' तृणमूल कांग्रेस सरकार पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा द्वारा जारी 'आरोपपत्र' पर उसे आड़े हाथ लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भी हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स और उससे लगे औद्योगिक क्षेत्र में 'कट-मनी' लेने के लिए भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हैं। बनर्जी ने कहा, आपने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया, मैं भी भाजपा के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर रही हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तृणमूल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी करते हुए 28 मार्च को राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का, कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु में एनडीए समर्थक लहर चल रही : चंद्रबाबू नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु में एनडीए समर्थक लहर चल रही है और उन्हें विश्वास है कि आगामी विधानसभा चुनावों में मतदाता भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन का समर्थन करेंगे। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पत्रकारों से बात करते हुए नायडू ने बढ़ते समर्थन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा, एनडीए समर्थक लहर चल रही है। मुझे पूरा भरोसा है। लोगों को प्रधानमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा है। इसका असर हर जगह दिख रहा है।

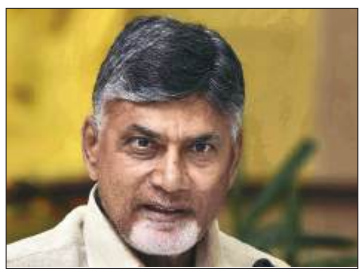

गठबंधन पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने आगे कहा कि यह एक बहुत अच्छा संयोजन है - एआईएडीएमके, भाजपा और उनके सहयोगी दल। यही एनडीए है... मुझे पूरा विश्वास है कि लोग इस बार एनडीए को वोट देंगे। दोहरी इंजन सरकार, तभी प्रगति संभव है। टीडीपी प्रमुख ने प्रस्तावित परिसीमन और महिला आरक्षण का जोरदार बचाव करते हुए कांग्रेस और डीएमके के विरोध पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, जब हम पूछते हैं कि आप परिसीमन का विरोध क्यों कर रहे हैं, तो कोई जवाब नहीं मिलता। बिना जवाब के विरोध का कोई मतलब नहीं। किसी भी राज्य के साथ कोई अन्याय नहीं है। महिलाओं को समायोजित किया जा रहा है। इस सुधार को ऐतिहासिक बताते हुए नायडू ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण सशक्तिकरण है। यह इस दशक या शायद इस सदी का एक बड़ा सुधार है। सभी राज्यों में सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के साथ-साथ महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा। इसमें गलत क्या है? विरोध क्यों? उनकी ये टिप्पणियां संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के संसद में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहने के कुछ दिनों बाद आई हैं, जिससे परिसीमन से जुड़े सुधार रुक गए हैं। नायडू ने इससे पहले राहुल गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की इस दावे के लिए आलोचना की थी कि विधेयक की विफलता एक जीत है और उन पर महिला आरक्षण में देरी करने का आरोप लगाया था।

पप्पू यादव के बयान के बाद घमासान

» महिला आयोग ने स्वत: लिया संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं पर विवादास्पद टिप्पणी करके राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं समझौता किए बिना राजनीति में सफल नहीं हो सकतीं और आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा और संरक्षा की अनदेखी की जा रही है। पप्पू यादव ने कहा कि भारत में महिलाओं को देवी कहा जाता है, लेकिन यहां उन्हें कभी सम्मान नहीं मिलेगा। इसके लिए व्यवस्था और समाज दोनों जिम्मेदार हैं। 90 प्रतिशत महिलाएं राजनेताओं के कमरे में प्रवेश किए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पप्पू यादव ने कहा कि अगर लोकसभा में महिलाओं की गरिमा का मुद्दा उठाया जाता है, तो यह मजाक बन जाता है।

उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है? अमेरिका से लेकर भारत तक, कौन महिलाओं को बुरी नजरों से देख रहा है? राजनेता। किसी राजनेता के शयनकक्ष तक पहुंचे बिना 90 प्रतिशत महिलाएं राजनीति में प्रवेश भी नहीं कर सकतीं। महिलाओं के शोषण की संस्कृति जड़ पकड़ चुकी है। भाजपा ने पप्पू यादव से माफी मांगने की मांग करते हुए उनके बयान को चौंकाने वाला बताया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि चौंकाने वाला बयान! जब पूरा देश नारी शक्ति आंदोलन चला रहा था, तब देखिए कांग्रेस समर्थित सांसद क्या कह रहे हैं। सांसद पप्पू यादव का महिलाओं पर विवादित बयान सामने आया है। इस टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने नेता से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने एक बयान में कहा कि इस मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग आपसे स्पष्टीकरण चाहता है कि आपने ऐसा आपत्तिजनक बयान क्यों दिया। आयोग यह भी पूछता है कि आपकी सदस्यता रद्द करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को सिफारिश क्यों नहीं की जानी चाहिए।

तेज प्रताप यादव ने पीके से की मुलाकात

» बोले- यह औपचारिक मुलाकात नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति में आज उस समय हलचल तेज हो गई, जब राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रासाद यादव के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से मुलाक़ात की। बात सिर्फ मुलाक़ात की ही नहीं है बल्कि तेज प्रताप यादव के द्वारा सोशल मीडिया पर किये गये पोस्ट को लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक पंडित इस मुलाक़ात के मायने निकालने लगे हैं। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रासाद यादव के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से मुलाक़ात की।

दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस मुलाकात के बाद तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने इस मुलाकात को केवल एक औपचारिक भेंट मानने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से खुद इस बैठक को जनहित और भविष्य की राजनीति का नाम दिया। तेज प्रताप के अनुसार, प्रशांत किशोर के साथ उनकी बातचीत में जनता की अपेक्षाओं और बदलते राजनीतिक समीकरणों पर विस्तार से मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि इसमें कई ऐसे मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ जो आने वाले समय में राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं। मैं, तेज प्रताप यादव, इस संवाद को अपने राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण अनुभव के रूप में देखता हूं, जहां सकारात्मक सोच और जनसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प और भी मजबूत हुआ।

आज का दिन राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहा

तेज प्रताप यादव ने 9 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पुसर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी बात लिखी है। उन्होंने लिखा है कि, आज का दिन राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहा। मेरी मुलाकात प्रशांत किशोर से हुई, जहां हमने जनहित और भविष्य की राजनीति को लेकर गहन चर्चा की। इस दौरान जनता की अपेक्षाओं और बदलते राजनीतिक समीकरणों पर विस्तार से बात हुई।

हैदराबाद ने घर में लगाई जीत की हैट्रिक

» अभिषेक के बाद चमके ईशान, दिल्ली को 47 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी के बाद ईशान मलिंगा की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से हराया। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में दो विकेट पर 242 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 195 रन ही बना सकी। दिल्ली के लिए नीतीश राणा ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाए, जबकि समीर रिजवी ने 41 और केएल राहुल ने 37 रन बनाए। हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा ने चार विकेट लिए, जबकि हर्ष दुबे को तीन सफलता मिली।

हैदराबाद की टीम इस जीत से अंक तालिका में आठ अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स छह अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लेकिन राहुल और नीतीश ने दूसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़े। लेकिन इस जोड़ी के टूटते ही पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गई। इससे पहले, हैदराबाद के लिए अभिषेक और ट्रेविस हेड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पहले विकेट के लिए 97 रनों की साझेदारी हुई। अभिषेक ने दिल्ली के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 68 गेंदों में 135 रन की नाबाद पारी खेली। जो आईपीएल इतिहास में किसी बल्लेबाज का पांचवां सर्वोच्च स्कोर भी है। दिल्ली के लिए एकमात्र सफलता अक्षर ने हासिल की। ईशान रन आउट होकर पवेलियन लौटे।

मुंबई के साथ आज के मुकाबले में धोनी करेंगे विकेटकीपिंग

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एमएस धोनी मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। लंबे समय से चोट के कारण बाहर चल रहे धोनी अब पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं और नेट्स में विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी करते दिखे हैं। टीम के साथ लगातार यात्रा कर रहे धोनी की फिटनेस में सुधार साफ दिख रहा है। रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि धोनी विकेटकीपर के रूप में टीम में लौटेंगे, जिससे सैमसन की भूमिका बदल सकती है। सैमसन को आउटफील्ड में जाना होगा या फिर वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आ सकते हैं। यह बयान साफ संकेत देता है कि धोनी की वापसी से टीम कॉम्बिनेशन में बदलाव देखने को मिल सकता है। आयुष म्हात्रे के चोटिल होकर बाहर होने के बाद सीएसके को वैसे भी मुंबई के खिलाफ प्लेइंग-11 में बदलाव करना था। धोनी अगर वापसी करते हैं तो सरफराज खान को नंबर तीन पर म्हात्रे की जगह प्रमोट किया जा सकता है और फिर धोनी नंबर छह-सात पर खेल सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई पेसर स्पेंसर जॉनसन भी टीम से जुड़ चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष के बोल के बाद भाजपा तिलमिलाई

» चुनाव आयोग की चौखट पर पहुंचे भाजपाई, की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पीएम मोदी पर दिए गए विवादित बयान के बाद सियासी घमासान मच गया है। उधर तिलमिलाई भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की है तो कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैने जांच एजेंसियों के बारे में कहा था। बता दें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएम मोदी पर मल्लिकार्जुन खरगे की आतंकवादी वाली टिप्पणी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का एक पैटर्न बनाने का आरोप लगाया।

बीजेपी ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे पहलगाम हमले की बरसी पर असंवेदनशील बताया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि वह पूर्ण आयोग के समक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई निंदनीय टिप्पणियों को उजागर करने के लिए उपस्थित हुईं, जिसमें विपक्ष द्वारा बार-बार अपमानजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया गया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

टिप्पणी का समय बेहद संवेदनशील : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी का ज़िक्र करते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणी का समय बेहद संवेदनशील है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि किरण जी ने सही कहा, आज हम पहलगाम हमले की एक सालगिरह मना रहे हैं, जहां निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने ही मार दिया गया था। आज हम इस घटना की पहली बरसी मना रहे हैं और ठीक उसी दिन की पूर्व संध्या पर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष चुनाव वाले राज्य चेन्नई जाते हैं, वहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठकर ये बातें कहते हैं।

जनता से मिलेगा कांग्रेस को जवाब : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा ने खरगे पर सार्वजनिक चर्चा का स्तर गिराने का आरोप लगाते हुए उनकी टिप्पणियों को प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों का अपमान बताया। इस घटनाक्रम ने चुनावी बयानबाजी को और तेज कर दिया है, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं और संस्थागत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। इससे देश के कई राज्यों में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावी मुकाबलों से पहले टकराव और गहराने का संकेत मिल रहा है। अमित शाह ने इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस नई निम्नताओं को छू रही है और सार्वजनिक चर्चा के मानकों को बार-बार गिरा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना अस्वीकार्य है और यह मोदी का समर्थन करने वाले लाखों मतदाताओं के लोकतांत्रिक जनादेश का अपमान है। शाह ने आगे दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में आतंकवाद पर निर्णायक अंकुश लगाया गया है और इस तरह की भाषा निंदनीय है।

बयान का गलत अर्थ निकाला गया : खरगे

विरोध के बाद, खरगे ने स्पष्ट किया कि उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने आतंकवादी शब्द का प्रयोग शाब्दिक अर्थ में नहीं किया था, बल्कि केंद्र द्वारा की जा रही धमकियों के एक पैटर्न का वर्णन करने के लिए किया था। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई जैसी एजेंसियों पर राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया। खरगे ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई रैक्स छापेमारी और जांच थी, जिसके बारे में उनका दावा है कि इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को डराने-धमकाने के लिए किया जा रहा है। खरगे ने बताया, मैंने पीएम को आतंकवादी नहीं कहा। मैंने कहा था कि वह लोगों को डराने के लिए आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। वह छापेमारी के जरिए लोगों को चुप कराने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें चुनाव में हराने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने चेन्नई में यही कहा था।

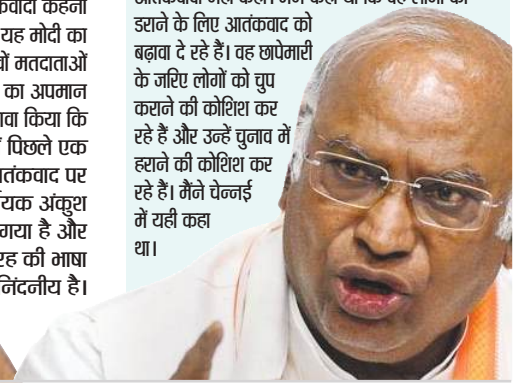

ट्रंप के सीजफायर बढ़ाते ही फिर भड़का ईरान, होर्मुज में की ताबड़तोड़ फायरिंग

» जहाज का कंट्रोल रूम तबाह, ओमान के पास जहाज पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के दौरान एक बड़ी घटना सामने आई है। एक तरफ वार्ता का दूसरा दौर रद्द होने के बाद तनाव बढ़ गया है, वहीं दूसरी तरफ होर्मुज जलडमरूमध्य में एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया है। लगातार तीसरी बार ऐसी घटना सामने आई है, जब किसी कंटेनर शिप को निशाना बनाया गया है. पहले दो हमले जहां अमेरिका की ओर से किए गए थे, वहीं इस बार ईरान ने कंटेनर जहाज को निशाना बनाया है।

यूके मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक, ओमान के पास एक जहाज से जुड़ी घटना की रिपोर्ट मिली है। यह घटना ओमान के उत्तर-पूर्व में करीब 15 समुद्री मील की दूरी पर हुई। एजेंसी के अनुसार, कंटेनर जहाज के कप्तान ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की गनबोट जहाज के पास आई और उस पर फायरिंग की. इस हमले में जहाज के कंट्रोल रूम को भारी नुकसान पहुंचा है. हालांकि, किसी तरह की आग लगने या पर्यावरण को नुकसान होने की खबर नहीं है. जहाज पर मौजूद सभी क्रू सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं। ईरान के एयरोस्पेस कमांडर ब्रिगेडियर जनरल सैय्यद माजिद मौसवी ने कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर दुश्मन युद्धविराम के बाद इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ कोई आक्रामक कार्रवाई करता है और हद पार करता है, तो आईआरजीसी वहां हमला करेगी जहां जनता चाहेगी.

ईरान की संसद के स्पीकर और शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबाफ के एक सलाहकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर बढ़ाने के ऐलान को खारिज कर दिया है. उन्होंने इसे सरप्राइज अटैक की तैयारी के लिए अपनाई गई चाल बताया. सलाहकार ने अमेरिकी नाकाबंदी के खिलाफ सैन्य जवाब देने की भी मांग की है।

पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा- ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है।

पाकिस्तान की अपील से बढ़ाया सीजफायर : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की गई।

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर फिर उठा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कानून व्यवसथा फिर सवालिया निशान लग गया है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली स्थित अमर कॉलोनी में एक आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी गई। शुरुआती जांच में पाया गया है कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म को भी अंजाम दिया गया है।

हत्यारे ने मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर लड़की की हत्या की है। परिजनों को इस वारदात के पीछे एक घरेलू सहायक के होने का अंदेशा जताया है। आरोप है कि उसे करीब एक-डेढ़ महीने पहले काम से निकाल दिया गया था। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। साथ ही, मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आईआरएस अधिकारी पत्नी के साथ बुधवार की सुबह ही बाहर निकले थे। पुलिस के मुताबिक उनके जाने के बाद घरेलू सहायक आया था। जब पति-पत्नी लौटे तो बेटी को मृत पाया।

एनआईए को कोर्ट का बड़ा झटका

» 18 साल पुराने केस में चार आरोपी बरी, मालेगांव धमाका मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बुधवार को 2006 के मालेगांव धमाका मामले में आरोपी चार लोगों को बरी कर दिया और विशेष अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे।

चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चंदक की बेंच ने आरोपी राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा की अपीलें मंजूर कर लीं। विस्तृत आदेश अभी जारी नहीं किया गया है। इन चारों पर भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत, जिनमें हत्या और आपराधिक साजिश शामिल हैं, और साथ ही सख्त गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। 8 सितंबर, 2006 को नासिक जिले के मालेगांव शहर में चार बम धमाके हुए थे, इनमें से तीन धमाके जुमे की नमाज के तुरंत बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर के अंदर हुए थे, और एक धमाका मुशावरत चौक पर हुआ था। इन धमाकों में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 अन्य घायल हो गए थे। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते ने शुरू में इस मामले की जांच की थी और नौ मुस्लिम पुरुषों को गिरफ्तार किया था। बाद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जांच अपने हाथ में ले ली और आरोप लगाया कि इन धमाकों के लिए दक्षिणपंथी चरमपंथी जिम्मेदार थे, इसके बाद एजेंसी ने इन चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले गिरफ्तार किए गए नौ पुरुषों को एक विशेष अदालत ने बरी कर दिया था।

डीएमके-एआईडीएमके के दबाव के आगे नहीं झुकूंगा : विजय

» टीवीके प्रमुख ने लोगों से की वोट देने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलगा वेट्ट्री कज़गम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाताओं से अंतिम अपील करते हुए उनसे अपनी पार्टी के सीटी चिन्ह का समर्थन करने का आग्रह किया और स्थापित पार्टियों के राजनीतिक दबाव का विरोध करने का वादा किया।

एक्स पर साझा किए गए एक संदेश में, विजय ने मतदाताओं को अपना परिवार बताते हुए राजनीति में आने के बाद से उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। खुद को जन-केंद्रित नेता बताते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को राजनीतिक विरोधियों के निरंतर दबाव का सामना करना पड़ा है। विजय ने कहा कि तमिलनाडु की जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए राजनीति में आने के दिन से लेकर अब तक, जिन्होंने हम पर असहनीय दबाव, बंधन और पीड़ाएं डाली हैं, उनके अलावा और कौन हो सकता है? ये वही लोग हैं जिन्होंने हम पर असहनीय दबाव, बंधन और पीड़ाएं डाली हैं। हमारी जनता हमारे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, जनविरोधी ताकत डीएमके और भाजपा को अच्छी तरह जानती है, जो नीतिगत विरोधियों और कई अन्य लोगों के खिलाफ मैदान में डटकर मुकाबला करने वाली एक दृढ़ शक्ति है। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने जोर देकर कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा पूरी तरह से जन कल्याण के लिए प्रेरित है और उन्होंने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया कि वे किसी भी तरह की धमकियों के आगे झुकेंगे। उन्होंने कहा कि यह विजय, जो केवल जनता और उनके कल्याण के लिए राजनीति में आए हैं, क्या वे फासीवादी मानसिकता वाली, जनविरोधी पार्टियों के दबाव के आगे झुकेंगे? क्या वे धन के दुरुपयोग करने वाली निवेश कंपनियों की धमकियों और दबावों के आगे घुटने टेकेंगे? आपके बेटे को काबू में करने के लिए लाभों का दिखावा करके उन्हें दबाया नहीं जा सकता। न ही आपके भाई को धमकाने के लिए सत्ता का इस्तेमाल करके उन्हें डराया जा सकता है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**